जनसत्ता (Jansatta)

दिनांक (Dated): 06/03/2022 | पृष्ठ सं0 (Page No). 03 | क्रम सं0(Serial No.)

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 5वीं बटालियन का 53वां स्थापना दिवस

सीआइएसएफ विशेष व एकीकृत सुरक्षा एजंसी की भूमिका निभाने के लिए तैयार : शीलवर्धन सिंह

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 मार्च।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) ने गाजियाबाद स्थित 5वीं बटालियन में अपने 53वें स्थापना दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर सीआइएसएफ के महानिदेशक शील वर्धन सिंह ने कहा कि बल देश में निजी सुरक्षा एजंसियों के प्रशिक्षण और प्रमाणन में बेहद अहम भूमिका निभा सकता है, जो फिलहाल असंगठित तरीके से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सीआइएसएफ हवाई अड्डों और बंदरगाहों के अलावा ड्रोन विरोधी अभियान और समुद्री एवं त्वरित परिवहन प्रणाली में एक 'विशेष एवं एकीकृत' सुरक्षा एजंसी की भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

इस अवसर पर गृह सचिव अजय भल्ला, आइबी के निदेशक, दिल्ली पुलिस आयुक्त, सीएपीएफ के महानिदेशक और सीएपीएफ के सेवानिवृत्त महानिदेशक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी और सेवानिवृत अधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर अलंकरण समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आरक्षक मुतुम बिक्रमजीत सिंह, आरक्षक अनिल लाकड़ा, आरक्षक मुत्तमाला रवि और आरक्षक राहुल कुमार, जिन्हें स्वतंत्रता दिवस-2021 के अवसर पर वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया था को पदकों से अलंकृत किया। इसके साथ ही जगबीर सिंह, अपर महानिदेशक (दक्षिण), मीनाक्षी शर्मा, महानिरीक्षक (तकनीकी व व्यवस्था), अंजनी कुमार सिंह, महानिरीक्षक (एनईएस) और सीआइएसएफ के अन्य सात अधिकारियों/कर्मियों को गणतंत्र दिवस-2021, स्वतंत्रता दिवस-2020 और 2021 के अवसर पर घोषित किए गए विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक से अलंकृत किया गया।

इस दौरान कलारीपयट्टू मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया गया। इस स्वदेशी मार्शल आर्ट की उत्पत्ति केरल में हुई थी, जिसे गुरु-शिष्य परंपरा की तहत कई शताब्दियों तक संरक्षित किया गया है।

वहीं सीआइएसएफ की महिलाओं ने दिल्ली मेट्रो रेल में होने वाली विभिन्न घटनाओं के दौरान अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। सीआइएसएफ के फायर विंग द्वारा हाइड्रोकार्बन इंस्टालेशन में होने वाली कई आग की घटनाओं को दर्शाया गया जो ज्वलनशील गैस के रिसाव और गैस के दबाव के कारण विस्फोट और भयानक आग लगने के कारण भयावह दुर्घटना का कारण बन सकती है।

जज्बा

सीआइएसएफ के 53वें स्थापना दिवस पर महिला कर्मचारी अपने करतब का प्रदर्शन करती हुई।